

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—que ; PART I—Section 1

REPORTS BY ADDRESS OF

6. 118

मई विरुलं राज्यार, जुन 26, 1992/आवाह 5, 1914

No. 118]

NEW DELLIL, FRIDAY, JUNE 26, 1992/ASADHA 5, 1914

भाग भाग में भि**ल्य पुल्क संख्या को जाती हाँ सिसको कि** यह अलग संक**र**मन की राष्ट्र की **राख्य का कको**

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

वाणिज्य मंत्रालय

धायास व्यापार नियंत्रण

सार्वजिनिक गूचना सं. 21-माई टी सी (पो एन)/1992-97

फा.सं. भाई पो सं/4/5(126)/85-88--भाणिष्य मंत्रालय का सार्वजिनक सूचना सं. 1-आई टो सः (पोएन); 92-97 दिनांक 31 मार्च, 1992 के अंतर्गत प्रकाशित निर्यात-प्रायात नाति अत्रैल, 1992-मार्च, 1997 का ओर ध्यान दिलाया जाता है। यात्री कार और प्राटोमोबाइल बाहन नोति के भ्रष्ट्याय पद्धह में भायातीं का निर्येधात्मक सूचो में शाशिल है। इस सार्वजिनक सूचना में उन वार्ती का उल्लेख हैं जिनक भ्रन्तगंत ऐसे बाहन भायात किए जा पद्धते हैं।

2. इस सार्वजनिक सूचना में जिनिविष्ट पात आयातकों जियों द्वारा याजा कारों और प्राओमोबाइल बाइनों का श्रायात निम्नलिखित णतौ के ब्रध्यधोन विना लाइसेंस के किया जा सकता है:—

- (1) वाहन के लिए भुगतान विदेश में किया जाए तथा ऐसे भुगतान में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से गारत से विदेशों मुद्रा का किसी प्रकार प्रेषण शामिल न हो;
- (2) अस्टम इ्यूटो का भगतान विदेशा मुद्रा में िक्या जाए जब तक कि इम मार्वजनिक सूचना में आयातक के किसी विशेष श्रेशा के मामले में स्पष्ट रूप में छुट म दा गई हो;
- (उ) इस सार्वजिनिक सूचना में पाल आयासकों का.
 प्रत्येक श्रेणो के मद्दे विनिधिष्ट शर्ते पुरी हों;
 और
- (4) भारत में स्थायों आजास हेनु लौटाने जाले आयासकों के मामले में काम को मिकासों के समय सीमाशृंहक जिलाग की इस आजय को एक घोषणा दो जाए।

- क. स्थायी भ्रावास हेतु भारत श्राने वाले भारताय राष्ट्रिक या भारताय मूल के विदेशो राष्ट्रिक।
 - (क) एक याली कार, जिसके इंजन का भाकार चार सिलिण्डरों से श्रिधिक का न हो और जिसमें 1600 सी.सी. शामिल न हो, के भायात का अनुमति है, चाहे कार नई हो या पुरानी। भ्रन्त में एक याली कार के भायात की भी भ्रमुमति है बगर्ते कि वह कार भायातक के भारत लौटने से पहले एक से श्रिधिक वर्ष तक उसके इस्तेमाल में रही हो।
 - (ख) ग्रायातक स्थाया ग्रावास हेतु भारत ग्राने के पहले कम से कम दोवर्षों को ग्रवधि तक लगातार विदेश में ठहरा हो।
 - (ग) उसके भारत लौटने के पहले कार का भुगतान विदेश में कर दिया जाए।
 - (घ) यदि भ्रायातक भारत से बाहर भ्रपने भ्रायास को फिर बदलता है तो वह इस नाति के अन्तर्गत पिछले वाहन के भायात का ताराख से कम से कम पांच वर्षों का स्रवधि के बाद हा दूसरा कार श्रायात करने का हकदार होगा।
 - (इ॰) बाह्रम रखने का ग्रवधि के संबंध में विमा किसा प्रतिबंध के भाषातक भारत में वापस भाने के बाद खुले बाजार में कार की बेजने के लिए स्वतंत्र है।
 - (च) ब्रन्य प्रकार के प्राटोमोबाइल वाहन के प्रायात को श्रन्मति मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात द्वारा गुण-दोष के भाधार पर दा जा सकता है।
- भारतीय राष्ट्रिकों से विवाहित विदेश। राष्ट्रिक (भारतीय मल के व्यक्तियों सहित)
 - (क) एक साक्षा कार, जिसके इंजन का आकार चार सिलिण्डरों से अधिक का न हो और जिसमें 1600 सो सो. गामिल नहीं है, के आयान का अनुमति है, चाहे कार नई हो या पुराना। अस में एक यात्रा कार के आयान का भो अनुमिन है बगर्ते कि वह कार आयानक के भारत लौटने से पहले एक से अधिक वर्ष तक उसके इस्तेमाल में रही हो।
 - (ख) भाषातक श्रथित् विदेशें। राष्ट्रिक (भारतें।य मूल के व्यक्तिं सहित्त) भारत में स्थाया श्रावास हेतु ग्रा रहा हो।
 - (ग) मेंति पिता धारा श्रीयातक की वह कार उसकी शादों के एक वर्ष के भीतर उपहार में दी गई हो ।

- (म) बाहन रखने का अवधि के संबंध में बिना किस।
 प्रतिबंध के श्रायातक भारत में वापस श्राने के
 बाद खुले बाजार में कार की बेवी के लिए स्वतंत्र
 है।
- ग. भारत में कार्यरत विदेश। राष्ट्रिक
 - (क) भारत में प्रायातक के नियौजन, कार्यभार या प्रवास की संविद्या प्रविध एक वर्ष से प्रधिक नहीं होगी।
 - (ख) एक बाह्म के ग्रायात को ग्रन्मति है।
 - (ग) यदि प्रायातक बाहन को बेचना चाहता है तो यह बाहन के पुनः निर्यात या भारताय राज्य व्यापाप निगम या इस मार्बजनिक सूचना में उल्लिखित ग, घ, ङ और चिकसा भा श्रेणा के दायरे में आने बाले किसा पाल श्रायातक को बेचने का गर्त के श्रध्यधीन होगा।
 - (घ) उपर्युक्त (ग) उल्लिखित शर्त के अनुसार पिछले बाहन की बेचने के बाद एक बाहन का बाद में आयात किया जा सकता है बगर्ते कि इन दो अनुवर्ती आयातों के बाच की न्युनतम भवधि पांच वर्षों की हो।
- थ. भारत में स्थापित त्रिदेशों फर्मी, कम्पनियों और संस्थाओं (निगमित या अन्यथा) की शाखाएं/कार्यालय
 - (क) भारत में स्थापित विवेशा फर्मों, कम्पनियों और मंस्थाओं (निगमित या धन्यथा) का शाखाएं/ कार्यालय तोन वाहनों का श्रायात कर सकते हैं।
 - (ख) यदि भ्रायातक वाहम को बचना चाहता है तो यह बाहन के पुनः निर्यात या भारताय राज्य व्यापार निगम या इस सार्वजनिक सूचना में उस्लिखित ग, घ, क और च किसा भा श्रणा के दायरे में भाने वाले किसा पात्र भ्रायातक को बेचने को गर्न के भ्रष्ट्यशान होगा।
 - (ग) उपर्युक्त (क) में उल्लिखित गर्त के स्रनुसार पिछले वाहम को अचने के बाद एक वाहन का बाद में करवात किया जा सकता है बगर्ते कि किसी वाहन के दो अनुवर्ती शाशतों के बाच का न्यानतम स्रविध पांच वर्षों का हो।
- ङ 25 प्रतिशत से श्रधिक की विदेशी इक्षिटी भागीदारी वाली भारत में निगमित कम्पनियां
 - (क) भारतीय कम्पनी तीन बाहनों का भाषात कर सकती हैं।
 - (ख) बाहन के लिए भुगतान तथा साथ ही विदेशी
 मुद्रा में कस्टम ड्यूटी का भुगतान भारतीय कम्पनी
 में इनिवटी धारक विदेशी कम्पनी ब्रास किया
 जाएं।

- (ग) यदि भारतीय कम्पनी वाहन को बेचना चाहती है तो वह वाहन के पुनः निर्यात या भारतीय राज्य व्यापार निगम या सार्वजनिक सूचना मे उल्लिखिल ग, घ, ङ और च किसी एक श्रेणी के दायरे में आने वाले किसी पाल श्रायातक को बेचने की शर्त ज अध्यधीन होगा।
- (घ) उपर्युक्त (ग) में उल्लिखित शर्त के अनुसार पिछले बाहन के बेचने के बाद किसी बाहन का बाद में आयात किया जा सकता है बशर्त कि एक बाहन के अनुवर्ती आयातों के बीच की न्यूनतम अवधि पांच वर्षों की हो।
- च. विदेशी समाचार एजेंसियों के मान्यता प्राप्त पक्षकार/ संवादवासा।
 - (क) श्रायातक के पास पत्न सूचना कार्यालय, सूचना और प्रसारण मंह्रालय, भारत सरकार का मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्न होना चाहिए।
 - (स्त्र) एक बाहुन के श्रायात की श्रमुमति हैं।
 - (ग) यदि प्रायातक वाहन को बेचना चाहता है तो वह बिकी वाहन के पुनः निर्यात की शर्स के प्रधीन होती या भारत के राज्य क्यापार निगम को या प्रस्तुत सार्वजनिक सूबना में उस्लिखित श्रेणी ग, प, ड, और च में से किसी एक में शामिल पान प्रायातक को की जा सकती है।
 - (य) बाद में किसी वाह्न का श्रायात ऊपए (ग) में उल्लिखित गर्न के श्रमुसार पहले वाह्न की बिकी के बाद किया जा सकता है, बगर्न कि दो क्रिमिक भ्रायातों के बीच न्य्नतम भ्रन्तराल 5 वर्ष की भ्रवधि का हो।

छ . विदेश में ठेके पूरे करने वाली भारतीय फर्म

- (क) वाहनों का श्रायात परियोजना के पर्याप्त पूर्ण हो जाने पर/विदेश में कार्यालय बंद होने पर इस शर्त के श्रधीन किया जा सकता है कि विदेश में ठेके के निष्पादन के लिए बाहनों की खरीद के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से ली गई श्रनुमित दिखाते हुए श्रनुसोदन पक्ष श्रम्तुत किया जाएं।
- (अ) बाहन विदेश में फर्म/कस्पनी द्वारा कम से कम एक वर्ष प्रयोग में रखा जाना चाहिए।
- (ग) भारत में बाहन के आयात की तिथि से 5 वर्ष की प्रविध तक प्रायातक द्वारा वाहन किसी भी सरीके से न तो बेचा, न हस्तान्तरित किया जाएगा या निपटाया जाएगा। यदि प्रायातक इस प्रविध के भीतर वाहन को बेचना चाहता है तो बह इसे राज्य ध्यापार निगम या प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित श्रेणी ग, घ, इ, और च में से किसी एक में ग्रामिल पात भ्रायातक को बेचने के लिए स्वतंत्र होगा।

- ज. धर्मार्थ और मिशनरी संस्थान
 - (क) उपयोगिता बैन, ऐम्बुलेंस, स्टेशम बैगन, जीप, मिनी बस (याद्वियों को ले जाने वाली कारों को छोड़-कर) जैसे बाहनों की उपहार के रूप में आयात की अनुमति तभी वी जायेगी बगर्ते कि आयातक एक संस्थापित संस्था के रूप में हो ओर वह समुदाय के सामान्य हित के लिये कार्य कर रहा हो, और यह कि वह विदेशी अंशदान (विनियमन) अधि-नियम, 1976 क अन्तर्गत आवश्यक स्वीकृति प्रस्तुत करें।
 - (ख) सीमागुल्क की भ्रदासगी भारतीय रुपये में की जा सकती है।
 - (ग) भारत में बाहन के श्रामात किये जाने की तारीख से पांच वर्ष की श्रवधि तक श्रामातक बाहन को नहीं बेचेगा, न श्रम्सरण करेगा श्रम्या किसी भी रूप में इसका निपटान नहीं करेगा। यदि श्रामातक इस श्रवधि क दौरान बाहन का निपटान करना चाहता हैं तो वह इसे भारतीय राज्य व्यापार निगम श्रम्या किसी पाल श्रामातक को बेच सकता है जो इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित किसी भी ग, श्र, इ और च श्रेणी में श्राता हो।

झ. चिवेशी भरकारों के सबैतनिक वाणिज्यदूत

- (क) विदेश मंत्रालय की सिकारिश पर यात्री कार के आयात की धनुमति दी गई है बशर्ते कि कार की कीमत जिसमें भाड़ा और बोमा भी शामिल है, विदेशी सरकार द्वारा वहन की जाये और आवेदक द्वारा धायात के समय सीमाशुरूक का भृगतान भारतीय रुपये में किया जाये।
- (का) श्रायात की तारीका से पांच वर्ष की अविधि के बाद बूसरी कार के श्रायात की श्रमुमित की जायेगी बशत कि पहले वाले वाहन का पुनः निर्मात किया जाए श्रथवा राज्य व्यापार निगम को या इस सार्वे जिनक सुचना में लिखित किसी भी ग, भ, क और च श्रेणी में शामिल किसी पात श्रायातक की इसकी बिकी की जाए।
- 3. देश में बाहन का भ्रायात किये जाने पर इसे भ्रायातक के नाम में रिजिस्टर किया जायेगा। भ्रायातक, श्रेणी क और ख को छोड़कर, मुख्य नियंत्रक भ्रायात-निर्यात के कार्यालय के संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग कार्यालय में भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में बाहन के लागत बोमा भाड़ा मूल्य के लिये भांके गये सीमाशुल्क के समकक्ष राशि का निर्यारित प्रोफार्मा में एक बाण्ड भरेगा जिसमें भ्रायात के लिये लागू शती को पूरा करने की यचनवज्रता होगी।
- 4. यदि श्रावातक केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार पा सार्वं अनिक क्षेप्त के उपक्रम के कर्मचारी हों जो विदेश में भारतीय दूतावासों/हाई कमीणन श्रथमा सार्वजिनक क्षेत्र उपक्रमों के

विदेश में स्थित कार्यालयों में नियुक्त हों तो वे भारतीय रूपये में सीमाशुल्क का भुगतान कर सकते हैं। उनके मामले में श्रायात करने की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वाहन की बिकी की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- 5. इस सार्वजिनिक ुचना के उपबन्धों में मुख्य नियंत्रक भाषात-नियित के द्वारा गुणों के ब्राबार पर ढील दी जा सकती है।
 - 6 यह लोकहित में जारी किया गया है।

डी. आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात ।

MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 21-ITC(PN) 92-97

New Delhi, the 26th June, 1992

- F. No. IPC|4|5(126)|85-88.—Attention is invited to the Export and Import Policy April 1992—March, 1997 published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/92-97 dated the 31st March, 1992. Passenger cars and automobile vehicles are included in the Negative List of Imports in Chapter XV of the Policy. This Public Notice specifies the conditions under which such vehicles can be imported.
- 2. Import of passenger cars and automobile vehicles may be made without a licence by the categories of eligible importers specified in this Public Notice subject to the following condtions:—
 - (i) the payment for the vehicle is made abroad and such payment does not involve, directly or indirectly, any remittance of foreign exchange from India;
 - (ii) the payment of the customs duty is made in foreign exchange, unless expressly exempted in the case of any particular category of importer in this Public Notice;
 - (iii) the conditions specified against each category of eligible importers in this Public Notice are fulfilled; and
 - (iv) in the case of those importers returning to India for payment settlement, a declaration to that effect is given to the Customs at the time of the clearance of the car.
- A. Indian nationals or foreign nationals of Indian origin coming to India for permanent settlement.
 - (a) Import of one passenger car with engine size not exceeding four cylinders and not exceeding 1600 c.c. is permitted, whether the car is new or old. Alternatively, import of one passenger car is also permitted provided the car has been in the use of the importer for more than a year prior to his return to India.
 - (b) The importer has stayed abroad continuously for a period of at least two years prior to his coming to India for permanent settlement.
 - (c) The payment for the car is made before his return to India.
 - (d) If the importer transfers his residence out of India again, he will be entitled to import another car under this Policy only after a minimum period of five years from the date of importation of the previous vehicle.
 - (e) The importer is free to sell the car in the open market after his return to India without any restriction as regards the period of retention of the vehicles.

- (f) Import of any other type of automobile vehicle may be permitted by the Chief Controller of Imports & Exports on merits.
- B. Foreign Nationals (including persons of Indian origin) married to Indian Nationals.
 - (a) Import of one passenger car with engine size not exceeding four cylinders and not exceeding 1600 c.c. is permitted, whether the dar is new or old. Alternatively, import of one passenger car is also permitted provided the car has been in the use of the importer for more than a year prior to his return to India.
 - (b) The importer, namely the foreign national (including person of Indian origin), is coming to India for recruitment settlement.
 - (c) The car has been gifted to the importer by the parents within one year of the marriage.
 - (d) The importer is free to sell the car in the open market after his or her return to India without any restriction as regards the period of retention of the vehicle.
- C. Foreign nationals working in India
 - (a) The contract period for the employment, assignment or stay of the importer in India shall not be less than one year.
 - (b) Import of one vehicle is permitted
 - (c) In case the importer wants to dispose of the vehicle, it will be subject to the condition of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.
 - (d) Subsevent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (c) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imoprts.
- D. Branches/offices of foreign figms, companies and Institutions (corporate or otherwise) established in India.
 - (a) Branches/offices of foreign firms, companies and institutions (corporate or otherwise) established in India may import upto three vehicles.
 - (b) In case the importer wants to dispose of the vehicle, it will be subject to the condition of reexport of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.
 - (c) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (b) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.
- E. Companies incorporated in India having foreign equity participation of more than 25%.
 - (a) The Indian company may import upto three vehicles.
 - (b) The payment for the vehicle as well as the payment of the customs duty in foreign exchange are made by the foreign company holding equity in the Indian company.
 - (c) In case the Indian company wants to dispose of the vehicle, it will be subject to the condition of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.

- (c) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (c) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.
- F. Accredited journalists/correspondence of foreign news
 - (a) The importer should have the Accedition Certificate from the Press Information Bureau, Ministry of Information & Broadcasting, Government of India.
 - (b) Import of one vehicle is permitted.
 - (c) In case the importer wants to dispose of the vehicle, it will be subject to the condition of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C. D. E and F mentioned in this Public Notice.
 - (d) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (c) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imports.
- G. Indian firms executing contracts abroad.
 - (a) Import of vehicles may be made after substantial completion of the project winding up of the foreign office, subject to the production of a letter of approval from the Reserve Bank of India showing the permission of the Reserve Bank of India for the purchase of the vehicles abroad for the execution of the contract.
 - (b) The vehicle should have been in the use of the firm company abroad for atleast one year.
 - (c) The vehicle shall not be sold, transferred or disposed of in any manner by the importer for a period of five years from the date of importation of the vehicle into India. If the importer wants to dispose of the vhicle within this period, he shall be tree to sell it to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C. D. E and F mentioned in this Public Notice.
- H. Charitable and Missionary Institutions.
 - (a) Import of vehicles such as utility vans, ambulances, station wagons, jeeps, mini-buses (excluding passenger cars) is permitted as gift, subject to the condition that the importer is an established institution and is functioning for the common benefit of the community, and subject further to production of necessary clearance under the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976.

- (b) Payment of customs duty may be made in Indian Rupees.
- (c) The vehicle shall not be sold, transferred or disposed of an any manner by the importer for a period of live years from the date of importation of the vehicle into India. If the importer wants to dispose of the vehicle within this period, he shall be free to sell u to State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C. D, F and F mentioned in this Public Notice,
- 1. Honorary Consuls of Foreign Governments.
 - (a) Import of one passenger car is permitted on the recommendation of the Ministry of External Affairs provided the cost of the car, including freight and insurance, is borne by the foreign Government and the customs duty is paid by the applicant in Indian Rupees at the time of import.
 - (a) Import of a second car will be permitted after a period of five years from the date of importation of the first car subject to the condition of re-export of the previous vehicle or its sale to the State Trading Corporation of India or an elligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.
- 3. On the import of the vehicle into the country, it should be registered in the name of the importer. The importer, except those covered by Categories A and B, shall execute a bond in the prescribed preformator a amount equal to Customs assessed c.i.f. value of the vehicle in favour of the President of India at the regional licensing office concerned of the Chief Controller of Imports & Exports, undertaking to fulfil the conditions applicable to import. The bond shall be valid for a period of five years.
- 4. If the importers are employees of the Central Government, State Government or public sector undertakings posted in Indian Embassies/Hhigh Commissions abroad or in foreign offices of public sector undertakings, they may make the payment of the Customs duty in Indian Rupees. In their case, the sale of the vehicle will not be permitted for a period of two years from the date of importation.
- 5. The provisions of this Public Notice may be relaxed on merits by the Chief Controller of Imports and Exports.
 - 6. This issues in public interest.
 - D. R MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports